ुध्याय-30

महिलाओं, अ्रदेश^ ों, औद्योर्ि ा^ जाशक्ति, फोरमैाों, पर्यवे ृ ा^ ों हेतु उच्च प्रशि ृ ाऽ ा तथा ^े द्रीय संस्थााों में अ्रदेशात्म^ मीडिया पै^ जों ^ ा अ्रसंधाा एवं वि^ ास

प्रस्तावाा

30.1 ^ ौशल ाािर्मा ऽ ा एवं प्रशि ृ ाऽ ा ^ ा व्यक्तियों उद्यमियों, अर्थव्यवस्था एवं समाज ^े हितों ^ ो प्रोत्साहित ^ रो में महत्वपू ऽ र् यो ि ादाा है। प्रौद्योर्ि ा^ ी परिवर्ताा, वित्तीय बाजार में परिवर्ताा, उत्पादों व सेवाओं हेतु सार्वभौमिक बाजारों का प्रादुर्भाव, अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा, ाई व्यापार ाीतियां, ाए प्रबधा, व्यापार संगठाों के ाए रूप कार्य जगत में परिवर्ताा लााे वाले परिणामों में से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। जाशक्ति को स ृ ाम बााो, ^ ार्य ^ ी ि ु ऽ ावत्ता एवं सं ि ाठाात्म^ ता में सुधार, ाा ि ारि ^ ों ^ ी उत्पाद^ ता में वृद्धि, ^ ाम ि ाारों ^ ी आय में वृद्धि, उद्यमों ^ ी प्रतिस्पर्धात्म^ ता में सुधार, रोज ि ाार सुर ृ ाा संवर्धा तथा सामाजि^ समााता और आंतरि^ एवं बाह्य श्रम बाजारों में तेजी से आते बदलाव में व्यक्तियों ^ ो अधि^ रोज ि ाारपर^ बााो में सहायता हेतु ^ ौशल ाािर्मा ऽ ा एवं प्रशि ृ ाऽ ा अच्छे ^ ार्य ^ ा आधार स्तंभ है।

30.2 रोज ि ाार एवं प्रशि ृ ाऽ ा महाादिेशालय ाे व्यावसायि^ प्रशि ृ ाऽ ा ^ ार्य^ मों ^े माध्यम से उद्यो ि ा ^ ो प्रशिर्ृ ात जाशक्ति ^ ी व्यवस्थित आपूर्ति द्वारा सम ि ्र अर्थव्यवस्था में उत्पाद^ ता ^ ी ि ु ऽ ावता में सुधार ^ राा जारी र ॅ ाा है।

^ ार्य^ लाप

30.3 रोज ि ाार एवं प्रशि ृ ाऽ ा महाादिेशालय समाज ^े विभिन्न व ि ाों ^ ी आवश्य^ ताओं ^ ी पूर्ति ^े लिए प्रशि ृ ाऽ ा पाठ्य^ मों ^ ी ए^ श्रृं ॅ ाला प्रस्तुत ^ रता है। स्^ ूल छोड़ाे वालों, औद्योर्ि ा^ प्रशि ृ ाऽ ा संस्थााों से उत्ती ऽ र् होाे वालों, औद्योर्ि ा^ प्रशि ृ ाऽ ा संस्थााों ^े अ्रदेश^ ों, औद्योर्ि ा^ ^ ाम ि ाारों, त^ ाीशियों, ^ ाािष्ठ तथा मध्यम स्तर ^े ^ ार्य^ ाारियों, पर्यवे ृ ा^ ों/फोरमैाों, महिलाओं, वि^ लां ि ाों, अ्रसूचित जाति/अ्रसूचित जाजातियों, भूतपूर्व सैाािकों, छंटाीशुदा कामगारों इत्यादि के लिए पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यह प्रशिक्षण अभिमुख अ्रसंधाा भी करता है तथा प्रशिक्षुओं, अ्रदेशकों के उपयोग हेतु अ्रदेशात्मक मीडिया पैकेजों का विकास तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थााों को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एासीवीटी) के साथ संबंधा प्रदाा कराो इत्यादि का कार्य भी करता है। इा कार्यक्रमों का सार ाािमलिखित अ्रच्छेदों में दिया ि ाया है।

महिला व्यावसायि^ प्रशि ृ ाऽ ा ^ ार्य^ म

उत्पत्ति

30.4 श्रम मंत्रालय में महिला व्यावसायि^ प्रशि ृ ाऽ ा ^ ार्य^ म 1977 में आरंभ ि^ या ि ाया इस ^ ा उद्देश्य व्यावसायि^ प्रशि ृ ाऽ ा ^े माध्यम से महिलाओं ^ ा सामाजि^ वि^ ास एवं आर्थि^ संवृद्धि ^ राा था। इस उद्देश्य हेतु ए^ पृथ^ महिला प्र^ ोष्ठ बााया ि ाया जो महिला व्यावसायि^ प्रशि ृ ाऽ ा ाादिेशालय में वि^ सित हुआ। यह ाादिेशालय देश में महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण से संबंधित दीर्घकालीा ाीतियों के ाािर्माण एवं अ्रपालाा के लिए उत्तरदायी है।

संस्थागत ाेटवर्क

30.5 महिलाओं के कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार हेतु केंद्रीय एवं राज्य, दोाों क्षेत्रों के तहत् संस्थााों का एक ाेटवर्क स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य विभिन्न समाजार्थिक स्तरों एवं विभिन्न आयु-समूहों वाली महिलाओं को रोजगार प्रोत्साहा देाा है।

केंद्रीय क्षेत्र

30.6 केंद्रीय क्षेत्र के तहत् संस्थागत ाेटवर्क में उच्च वेताा रोजगार तथा स्व-रोजगार सम्भाव्यता वाले क ौशलों में विशिष्ट रूप से महिलाओं हेतु प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदाा कराो वाले 11 संस्थााों को शामिल किया गया है। महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण ाि-

ादेशालय के तहत् स्थापित किए गए संस्थाा ाि हैं:- (i) -ाोएडा में राष्ट्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा (एावीटीआई) (1977) एवं (ii) क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा (आरवीटीआई):-मुम्बई (1977), बंगलौर (1977), त्रिवेंद्रम (1983), हिसार (1986), कोलकाता (1986), तुरा (1986), इलाहबाद (1991), इदौर (1992), वडोदरा (1993), जयपुर (1994) (प्रकोष्ठ में दिए गए आंकड़े प्रतिष्ठाा की स्थापाा के वर्ष को दर्शाते हैं।)

30.7 ाोएडा में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा (एावीटीआई) एवं बंगलौर, त्रिवेंद्रम जयपुर एवं तुरा में क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा (आरवीटीआई) अपो स्थायी भवा में स्थापित हैं। क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा (आरवीटीआई), मुम्बई में महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा 1986 में उपलब्ध कराए गए स्थायी भवा से कार्य कर रहा है। हिसार, इंदौर, वड़ोदरा स्थित आरवीटीआई संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी परिसार से कार्य कर रहें हैं।आर वी टी आई हिसार के स्थायी भवा के ाािर्माण हेतु हरियाणा सरकार ो पीपत में 6.5 एकड़ भूमि आंवटित की है। इंदौर में ईएसआईसी अस्पताल के परिसर में क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा इंदौर के लिए लगभग 5 एकड़ का भूखंड ाािर्धारित किया गया है।

30.8 ए वी टी आई ाोएडा तथा आर वी टी आई बंगलौर, मुम्बई, जयपुर, तिरूआंतपुरम, ^ोल^ाता, तुरा एवं इलाहबाद में छात्रावास सुविधाएं उपलब्ध हैं।

प्रशि ƒ ा › ा

^` द्रीय ƒ ोत्र

30.9 वेता/स्व-रोज ˆ ाार सम्भाव्यता वाले ƒ ोत्रों में बुाियादी, उच्च एवं उन्नत पश्च ^ ाशल पाठ्यक्रमों को शामिल करते हुए ाियमित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम दिया जा रहा है। तालिका 30.1 ए वी टी आई / आर वी टी आई में उपलब्ध प्रशिक्षण सीटों की सुविधाओं को दर्शाती है।

30.10 वर्तमाा में ाीचे दिए गये प्रशिक्षण क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है: सचिवालय पद्धति, इलैक्ट्राॉक्सि, वास्तुविद सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग सहायक, इंस्ट्रूमेंट मैकोकि, ड्रेस मेकिंग, कशीदाकारी, केश एवं त्वचा परिचर्या, फल एवं सब्जियों का परिरक्षण, डेस्क टॉप पब्लिशिंग तथा फैश प्रौद्योगिकी। तालिका 30.1 में व्यवसायों की संस्थाावार उपलब्धता दी गई है।

30.11 महिलाओं को उच्च कौशल एवं उन्नत-पश्च प्रशिक्षण दो के लिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थाा एकमात्र महिला विशिष्ट संस्थाा हैं। महिलाओं हेतु प्रशिक्षण सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं तथा अक्टूबर 2005 की स्थिति के आुसार ए वी टी आई/आर वी टी आई में 3332 के लगभग प्रशिक्षण सीटें थीं। ाियमित पाठ्यक्रमों के अलावा ये संस्थाा ाि पाठ्यक्रम भी संचालित करते हैं। (i)अल्पकालिक/तदर्थ पाठयक्रम (ii) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थााों के आुदेशकों हेतु उच्च क ाशल/शिक्षाशास्त्र में पुाश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (iii) श्रृव्य-दृश्य सहाय्यों के तैयार करो/उपयोग क रो में अल्पकालिक पाठ्यक्रम। ए वी टी आई/आर वी टी आई ो अपाी स्थापाा से लेकर 31.03.2005 त ^ विभिन्न प्रशि ƒ ा › ा पाठ्य ^ मों में ल ˆ ाभ ˆ ा 43,336 प्रशि ƒ ुओं ^ ो प्रशिाि ƒ ात ाि^ या है। इसमें ाियमित दीर्घ ^ ालि ^ पाठ्य^ मों ^` 26,139 प्रशि ƒ ु तथा अल्प ^ ालि ^ पाठ्य ^ मों ^` 17,197 प्रशि ƒ ु शामिल हैं। 2005-2006 ^` दौराा, अक्तूबर 2005 त ^ ल ˆ ाभ ˆ ा 5169 महिलाओं ^ ो विभिन्न प्रशि ƒ ा › ा पाठ्य^ मों मे प्रशिाि ƒ ात ाि^ या ˆ ाया है; इसमें एम एस आफिस, वर्ड प्रोसैसिं ˆ ा, प्रसाल ˆ ााूमिं ˆ ा, घरेलू बिजली उप ^ र › ाों ^ ी मरम्मत/आुरक्षण, कशीदाकारी, ड्रेस मेकिंग इत्यादि जैसे क्षेत्रों में ाियमित दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में 2573 तथा अल्पकालिक/तदर्थ पाठ्यक्रमों में 2596 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण शामिल हैं। अक्टूबर 2005 की स्थिति के आुसार 3332 प्रशिक्षण सीटों की तुलाा में 3600 प्रशिक्षु हाजिरी रजिस्टर में थे। शुरूआत से अब तक प्रशिक्षित किए गए प्रशिक्षुओं की संख्या चार्ट-I पर देखी जा सकती है।

नए प्रयास

30.12 विद्यमाा प्रशिक्षण ोटवर्क के विविधिकरण, सुदृढ़ीकरण एवं आधुाकीकरण के लगातार प्रयत किए जा रहे हैं। जावरी 2003 में एक विशेष अभियाा भी आरंभ किया गया तथा 400 प्रशिक्षण सीटें शामिल की गई तत्पश्चात अगस्त 2003 से आरंभ हो वाले सत्र में अतिरिक्त सीटें शामिल की गई, वर्तमाा में ए वी टी आई/आर वी टी आई में 3332 प्रशिक्षण सीटें उपलब्ध हैं।

'महिलाओं हेतु बेहतर रोजगार' परियोजाा

30.13 अमरीका के श्रम विभाग द्वारा प्राप्त निधियों (1.3 मिलियन यूएस डॉलर) से 'भारत में महिलाओं हेतु बेहतर रोजगार' पर एक पायलेट कार्यक्रम को आई एल ओ तथा महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण महानिदेशालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है। दिल्ली एवं बंगलौर में कार्यान्वित की जा रही परियोजना में अनौपचारिक क्षेत्र में महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा बेहतर वेतन/स्व-रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान की गई। जून 2005 के अंत तक 4400 महिलाओं को प्रशिक्षण पूर्व, कौशल प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण पश्च सेवाओं का एक सम्पूर्ण पैकेज उपलब्ध कराया गया है।

अनौपचारिक क्षेत्रों में महिलाओं के प्रशिक्षण हेतु गृह प्रबंधन, कपड़ा क्षेत्र,खाद्य प्रौद्योगिकी एवं केटरिंग,शहरी टैक्सी चालन, दुपहिया मैकेनिक, इलैक्ट्रॉनिक्स,प्रौसेसिंग तथा देखभाल अर्थव्यवस्था, मितव्ययता कौशल तथा उद्यमीयता कौशल जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

एनवीटीआई नोएडा में परियोजना के तहत औपचारिक क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदानकर्ता के संबंध में आंकड़ा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने तथा परियोजना के तहत गैर-सरकारी संगठन के सहयोगियों की प्रशिक्षण गतिविधियों हेतु एक डाटाबेस लैब स्थापित किया गया।

राज्य क्षेत्र

30.14 राज्य सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों /सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला विंगों में महिलाओं हेतु शिल्पकार स्तर (बुनियादी पाठ्यक्रम) पर व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। राज्य सरकारों में महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों / विंगों आदि की संख्या व उनमें स्वीकृत प्रशिक्षण सीटों का विवरण रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के महिला प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा संकलित किया जाता है (ब्यौरा तालिका-30.2 पर दिया गया है।) 837 महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला प्रशिक्षण विंग (224 सरकारी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, 98 निजी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, 483 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला प्रशिक्षण विंग, निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 32महिला विंग) में कुल 47391 प्रशिक्षण सीटें हैं।

30.15 शिल्पकार प्रशिक्षण में, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) ने सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिलाओं हेतु राज्य सरकारों को 25 प्रतिशत तक सीटों के आरक्षण की सिफारिश की है। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (डब्लयू आई टी आई)/सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला विंगों द्वारा बुनियादी कौशल पाठ्यक्रमों में (शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत) राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित 50 इंजीनियरिंग एवं 48 गैर-इंजीनियरिंग व्यवसायों के चुनिंदा व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है। पिछले दस वर्षों में सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं विशेष रूप से महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के मध्य वृद्धि की तुलना चार्ट-II एवं चार्ट-III में देखी जा सकती है।

अनुदेशक प्रशिक्षण

30.16 अनुदेशकों के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व श्रम मंत्रालय के रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीईटी) का है । शिल्प अनुदेशकों की प्रशिक्षण योजना शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के आरम्भ से चालू है। प्रथम शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान 1948 में स्थापित किया गया तथा बाद में 5 और संस्थान यथा केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान (अब उच्च प्रशिक्षण संस्थान के नाम से जाना जाता है) लुधियाना, कानपुर,हावड़ा, मुम्बई तथा हैदराबाद में स्थित उच्च प्रशिक्षण संस्थान रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा 1960 में स्थापित किए गए।

30.17 शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुदेशकों को औद्योगिक कौशलों में प्रशिक्षण देकर तकनीकों में प्रशिक्षित करना है जो बदले में उद्योगों के लिए अर्ध कुशल/कुशल जनशक्ति को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यक्रम के तहत राज्य सरकारों के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों(आईटीआई) तथा शिक्षु अधिनियम के अंतर्गत उद्योगों द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों के अनुदेशकों को 27 व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ऊपर उल्लिखित 6

संस्थाों में चल रहे व्यवसायों में सीटों की कुल क्षमता 1050 है।

30.18 उपर्युक्त संस्थाों में िभि प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं:-

- कौशल विकास तथा शिक्षण सिद्धांतों, दोों में गहा प्रशिक्षण दो ^` लिए ए^ वर्षीय पाठ्य^ म।
- †ाुदेश ^ ों ^` ज्ञाा एवं ^ ौशल ^ ो अद्यता बाो तथा उा ^` उन्नया हेतु और उहें उद्यो ३ ों में हो रहे प्रौद्योŸि ा ^ ीय वि ^ ास से अव ३ ात ^ रो ^` लिए पुाश्चर्या पाठ्य^ म।

िमिलिŸ ात तीा मॉडयूल्स में प्रशि ƒ ा ƒ ा ^ ा मॉडयूलर पैटर्ा भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

मॉड्यूल का ाम	†वधि	संस्थाा
व्यवसाय प्रौद्योगिकी	6 माह	‹™ाआई, हैदराबाद व सीटीआई चेन्नई
प्रशिक्षण कार्यविधि (शिक्षण के सिद्धा-त)	3 माह	
‡जीायिरी प्रौद्योŸि ा ^ ी	3 माह	

उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण

30.19 कार्यरत औद्योगिक कामगारों के कौशल उन्नयन एवं उसे अद्यतन बनाने के लिए, एक उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना (एवीटीएस) 1977 से चालू है । यह योजना संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सहयोग से रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीईटी), श्रम मंत्रालय द्वारा 1977 में डीजीईटी के अधीन 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) तथा 15 राज्य सरकारों के 16 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में आरम्भ की गई । इस योजाा ^ ा मु Ÿ य उद्देश्य ^ ार्य ^ र रहे औद्योŸि ा ^ ^ ाम ३ ाारों ^ ो उ- ा ^` ^ ार्य ƒ ेत्र में विशेषज्ञ बाो ^` लिए ^ ौशलों ^ ा उन्नया ^ राा एवं उहें अद्यता बााा है।

30.20 इस योजना के अंतर्गत, चयनित कौशल क्षेत्रों में एक से छः सप्ताह तक की अल्पावधि के मॉड्यूलर पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है । औद्योगिक प्रतिष्ठानों की विशेष आवश्यकतानुसार टेलरमेड पाठ्यक्रम भी प्रदान किये जाते हैं ।

- छः उच्च प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) में शुरू किए गए उच्च कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तालि ^ ा ३०.३ में दर्शाये गए हैं।
- सितम्बर 2005 तक रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के अंतर्गत 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में 107080 से अधिक औद्योगिक कामगारों/तकनीशियनों ने þ ाशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाया है। अþ ैल से दिसम्बर, 2005 तक ल ३ ाभ ३ ा 3300 कामगारों को प्रशिक्षित किया गया।

30.21 उद्योग की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 1989-98 की अवधि के दौरान विश्व बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य / संघ शासित þ ादेश सरकार के 30 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में उच्च कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया गया है । इस परियोजना के अंतर्गत, 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में अतिरिक्त क्षेत्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं का सृजन किया गया तथा विद्यमान प्रशिक्षण सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया गया ।

30.22 उच्च तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षित कर्मकारों की बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सहयोग से उच्च प्रशिक्षण संस्थानों - चेन्नई, मुम्बई एवं कानपुर में एनसी / सीएनसी प्रशिक्षण ^` द्रों ^ ी स्थापाा ^ ी ३ ाई है। इन केन्द्रों में एनसी / सीएनसी मशीनों पर ऑपरेटरों, þ ाोग्रामरों एवं तकनीशियनों हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं ।

30.23 हैदराबाद में उच्च प्रशिक्षण संस्थाा (एटीआई-ईपीआई) की स्थापाा स्वीडिश अंतराष्ट्रीय विकास प्राधिकरण (सीडा) की सहायता से इलैक्ट्रॉािक एवं प्रौसेस इंस्ट्रूमेंटेशा के क्षेत्र में अल्पावधि तथा दीर्धावधि पाठ्यक्रमों का आयोजा क र उद्योगों/संगठाों की प्रशिक्षण आवश्यकता की पूर्ति करो के लिए 1974 में की गई थी।

‡स संस्थाा के प्रशिक्षण संबंधी कार्यकलापों को अब पाँच प्रमुख विंगों के तहत् समूहबद्ध किया गया है:-

(1) उपभोक्ता इलैक्ट्रॉाक्सि विंग-आडियो रेडियो, रंगीा टी.वी., सी सी टी वी, डिजिटल कैमरा एवं केबल टी.वी. उपकरण, कार्डलैस फोा एवं सेल फोा के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदाा करता है।

(2) ौद्योगिक इलैक्ट्रॉाक्सि विंग- पावर इलैक्ट्रॉाक्सि, डिजिटल एवं लिायिर आई सी एस, माइक्रोप्रोसेसर, माइक्रो कंट्रोलर एवं पी एल सी एस के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदाा करता है।

(3) सूचाा प्रौद्योगिकी विंग- कम्प्यूटर हाईवेयर, साफ्टवेयर एवं ोटवर्किंग में प्रशिक्षण प्रदाा करता है।

(4) मैडिकल इलैक्ट्रॉाक्सि विंग- परिष्कृत आधुाकि चिकित्सा इलैक्ट्रॉाक्सि उपकरण के समस्त क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदाा करता है।

(5) प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशा विंग- औद्योगिक सैंसरों, प्रोसेस कंट्रोल, माइक्रोप्रोसेसरों, प्रोसेस इंडस्ट्रीज में पी एल सी में प्रशिक्षण प्रदाा करता है।

पर्यवेक्षी प्रशिक्षण

30.25 रोजगार एवं प्रशिक्षण महाादिशालय ो पर्यवेक्षी कौशलों में प्रौद्योगिकीय एवं व्यवहारगत उन्नया हेतु बंगलौर एवं जमशेदपुर में दो फोरमैा प्रशिक्षण संस्थााों (एफ टी आई) की स्थापाा की । इाकी स्थापाा उद्योग में कार्यरत पर्यवेक्षकों / प्रबंधकों में बेहतर गुणवत्ता तथा उत्पादकता हेतु जागरूकता, समस्या को सुलझााे, लागत में कटौती करो तथा आधुाकि प्रौद्योगिकी के उपयोग की जााकारी के उद्देश्य से की गई थी।

30.26 संस्थाा, फोरमैाशिप में डिप्लोमा तथा पोस्ट डिप्लोमा प्रदाा करो के लिए ायिमित पाठ्यक्रम आयोजित करो के अतिरिक्त, उद्योगों की आवश्यकताओं के आुरूप अल्पावधि तथा टेलर-मेड पाठ्यक्रम भी आयोजित करते हैं। बदलते हुए प्रोद्योगिकीय परिदृश्य के आुरूप सीएडी, सीएासी प्रौद्योगिकी, वैल्डिंग, इंजीायिरिंग इस्ट्रूमेंटेशा तथा मेट्रॉलाजी, यूमेटिक्स, इलैक्ट्रो-यूमेटिक्स इत्यादि क्षेत्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं का उन्नया किया गया है ।

30.27 वर्ष 2005-2006 के दौराा इस संस्थााों में 1274 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया । इा संस्थााों ो 2633 पाठ्यक्रम आयोजित किए तथा 36490 फोरमैाों / पर्यवेक्षकों को अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया। प्रदाा किए जाो वाले पाठ्यक्रमों की प्रवेश अर्हता, फीस का स्वरूप, वर्ष के कैलेण्डर इत्यादि की विस्तृत जााकारी रोजगार एवं प्रशिक्षण महाादिशालय की वैबसाइट www.dget.nic.in पर उपलब्ध है।

केद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं आुसंधाा संस्थाा, कोलकाता

30.24 देहरादाू स्थित दूसरा एटीआई-ईपीआई को उपभोक्ता इलैक्ट्रॉाक्सि, औद्योगिक इलैक्ट्रॉाक्सि, मैडिकल इलैक्ट्रॉाक्सि, प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशा के क्षेत्र में उत्तर क्षेत्र के औद्योगिक एवं अय संगठाों की माँग को पूरा करो के लिए स्थापित किया गया। यह संस्थाा उपभोक्ता इलैक्ट्रॉाक्सि, औद्योगिक इलैक्ट्रॉाक्सि के क्षेत्र में अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रम तथा टेलर मेड पाठ्यक्रम प्रदाा करता है। आरंभ से दो संस्थााों में कुल 2589 अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रम आयोजित किए गए तथा अक्तूबर,2005 तक 30688 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2005-06 के दौराा, इा संस्थााों में पहले ही 131 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए एवं 1309 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

30.28 संस्थाा की स्थापाा, कार्यकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदाा करो, व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में आुप्रयुक्त आुसंधाा करो तथा आुदेशात्मक सामग्री एवं प्रक्षेपित/गैर-प्रक्षेपित प्रशिक्षण संबंधी सहायक सामग्री विकसित एवं प्रचारित करो के लिए की गई।

30.29 संस्थाा, प्रशिक्षकों तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण की आयोजाा, ाष्पादा, ायंत्रण तथा मूल्यांका में लगे हुए काष्ठि/वरिष्ठ प्रबंधा कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है । संस्थाा, गुणात्मक सुधार लाो तथा राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणाली के प्रभावी कार्यावया हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर समस्याभिमुख आुसंधाा अध्ययाों का आयोजा करता है ।

30.30 विकलांगों तथा समाज के अय कमजोर वर्गों के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण का ाार्धारण करो जैसे सम्बद्ध क्षेत्रों में आुसंधाा अध्यया भी किए जाते हैं। संस्थाा के आुसंधाा विंग के तहत् एक प्रमुख कार्य-कलाप, उद्योग से प्राप्त फीड बैक के आधार पर ाए व्यवसायों की पाठ्यचर्या के लिए आुसंधाा एवं विकास तथा विद्यमाा व्यवसायों में संशोधा/उहें अद्यता करो से संबंधित है। संस्थाा शिल्प आुदेशक प्रशिक्षण के लिए भी आुदेशात्मक सामग्री का विकास करता है। यह शिक्षा-शास्त्र संबंधी पहलुओं को ध्याा में रखते हुए शिक्षण संबंधी सहायक सामग्री (प्रक्षेपित एवं गैर-प्रक्षेपित दोाों ही) का विकास करता है।

30.31 केंद्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अ्ुसंधा्ा संस्था्ा क ोलकाता ो ्वम्बर,2005 तक 16186 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया। आरंभ से सिस्टारी ो 339 पाठ्यचर्याओं क ो विकसित एवं संशोधित किया गया तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए 156 परियोजा्ाओं को पूरा किया गया। शिक्षाशास्त्र के पहलुओं को ध्या्ा में रखते हुए यह प्रक्षेपित तथा गैर-प्रक्षेपित दो्ाों के लिए शिक्षण संबंधी सहायक साम्रगी को विकसित करता है। वर्तमा्ा वर्ष के दौरा्ा ्वम्बर 2005-2006 तक के कार्य-कलाप ।

†ायोजित किए गए कार्यक्रमों की संख्या	-40
प्रशिक्षित किए गए भागीदारों की संख्या	-715
पूर्ण हुए अ्ुसंधा्ा परियोजा्ा	-06
मॉड्लस का उत्पादा	-32

राष्ट्रीय आदेशात्मक मीडिया संस्था्ा (्ािमी)-चेन्नई

प्रस्ताव्ा

30.32 संस्था्ा की स्थापा्ा दिसम्बर 1986 में जर्मा्ा सरकार की सहायता से की गई। संस्था्ा को 1 अप्रैल, 1999 से स्वायत्तशासी ब्ााया गया। संस्था्ा पूर्व में "केंद्रीय आदेशात मक मीडिया संस्था्ा" (सिमी) के ्ााम से जा्ाा जाता था। मा्ा्ाीय श्रम मंत्री की अध्यक्षता में हुई शासी परिषद की 5वीं बैठक में की गई सिफारिशों के अ्ुसार अब संस्था्ा का ्ााम बदलकर "राष्ट्रीय आदेशात्मक मीडिया संस्था्ा" (्ािमी) रख दिया गया है। संस्था्ा की स्थापा्ा का मुख्य उद्देश्य शिल्पकार एवं शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत प्रदा्ा किए जा रहे संास्था्ािक प्रशिक्षण के स्तर में समग्र सुधार सु्ािश्चित कर्ा्ो के लिए प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों के उपयोग के लिए विभिन्न व्यवसायों में आदेशात्मक सामग्री उपलब्ध करा्ा है। संस्था्ा के वर्तमा्ा कार्यकलापों में व्यवसाय सिद्धांत, व्यवसाय व्यवहार पर पुस्तकों, परीक्षा तथा/कार्य आदेशक गाइड, दृश्य सहाय्यों, कार्यशाला गण्ा्ा एवं विज्ञा्ा पर पुस्तकों, संदर्भ पाठ्यपुस्तकों, टेबल पुस्तकों इत्यादि जैसी सहायक सामग्री वाले आदेशात्मक मीडिया पैकेजों (आई एम पी) का विकास, उत्पादा्ा एवं प्रचार प्रसार, शिल्पकार प्रशिक्षुओं के लिए अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षा आयोजित कर्ा्ो के लिए प्रश्ा बैंकों का विकास तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रभावी कार्यान्वया्ा के लिए अ्ुदेशकों के लिए 'जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम'तथा'ग ुणक प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजा्ा करा्ा शामिल है।

उपलब्धियां

- ्ावम्बर 2005 तक, 20 व्यवसायों के आदेशात्मक मीडिया पैकेज अंग्रेजी में विकसित किए जा चुके हैं जि्ामें से 18 व्यवसायों को शामिल क रते हुए 138 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।
- 11 व्यवसायों के आदेशात्मक मीडिया पैकेजों का हिदी में अ्ुवाद किया जा चुका है जि्ामें से 11 व्यवसायों की 48 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।
- 8 व्यवसायों के आदेशात्मक मीडिया पैकेजों का तमिल में अ्ुवाद किया जा चुका है जि्ामें से 9 व्यवसायों की 34 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।
- तेलगू, कन्नड़, बंगला, गुजराती, मराठी तथा उड़िया में अ्ुवाद विकास की विभिन्न अवस्थाओं में है।
- मशी्ािस्ट, ट्ार, फिटर, इलैक्ट्रीशिय्ा, वैल्डर,एम एम वी, वायरमै्ा तथा मैकेिक डीजल एवं मशी्ा शॉप हेतु क ार्यशाला विज्ञा्ा एवं गण्ा्ा व हीट इंजा्ा समूहों के सम्बद्ध व्यवसाय जैसे 8 व्यवसायों तथा 2 सम्बद्ध व्यवसायों के लिए प्रश्ा बैंक को विकसित कर्ा्ो का कार्य आरंभ कर लिया गया है। जि्ामें से ट्ार, मशी्ािस्ट, फिटर एवं इलैक्ट्रीशिय्ा जैसे 4 व्यवसायों के लिए प्रश्ा बैंक तैयार कर लिया गया है तथा ट्ार एवं मशी्ािस्ट व्यवसायों हेतु इ्ा प्रश्ा बैंकों का उपयोग कर अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।
- 65 गुणक प्रशिक्षण कार्यक्रम/जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जि्ामें 2186 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया।

तालिका-30.1

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थााों में महिलाओं हेतु स्वीकृत प्रशिक्षण सीटों का ब्यौरा (अक्टूबर, 2005 की स्थिति के आुसार)

	संस्थाा	रा.व्या. प्र. सं.	क्षे.व्या. प्र.सं	क्षो.व्या. प्र.सं	क्षे.व्या. प्र.सं	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	क्षे.व्या. प्र.सं.	योग
	स्वीकृत पाठ्यक्रम	ाोएडा	मुम्बई	बंगलौर	तिरूवांत-पुरम	हिसार	कोलकाता	तुरा	‡लाहाबाद	‡दौर	बडोदरा	•ायपुर	
बुायादी पाठ्यक्रम													
1.	सचिवालय पद्धति	32	16	48	32	16	16	16	16	16	16	16	240
2.	केश एवं त्वचा परिचर्या	32	16			32	16	32	32	32	32	32	256
3.	ड्रेस मेकिंग		32	16	16		16	32	48	32	16	16	224
4.	फल एवं सब्जी परीरक्षण					16							16
5.	‡लैक्ट्राािक्स	32	32	80	64	32			16	32			288
6.	कोपा	80	60	40	60		40	40	40			40	400
7.	‡स्ट्रूमेंट मैके-ाक			32									32
8.	वास्तुविदीय - ाक्शाावीस	48	32	64	64		32			32		64	336
9.	ाी टी पी	16	16	16	32				16			16	112
10.	†ाशु. (हिदी)					16			16	16		16	64
11.	फैशा प्रौद्योगिकी	16		16					16			16	64
	योग	256	204	312	268	112	120	120	200	160	64	216	2032
उच्च कौशल													
1	सचिवालय पद्धति	20	20	40	20				20	40		20	180
2	केश व त्वचा परिचर्या	20							20			40	80
3	ड्रेस मेकिंग	120	40	20	40	40	20	40	40	20	20	40	440
4	कशीदाकारी	40											40
5	‡लैक्ट्राािक्स	20	20	20	20				20	20	20		140
6	वास्तुविद सहायक	20	20	20	40		40			20		20	180
7	सचिवालय पद्धति (हिदी)								20	20		20	60
	योग	240	100	100	120	40	60	40	120	120	40	140	1120
उन्नत पश्च													
1	पी.ओ.टी.	40	20	20	20				20		20	20	160
2	व्यापार सेवाएं	20											20
	योग	60	20	20	20				20		20	20	180
†ल्पावधि आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम													
	सकल योग	556	324	432	408	152	180	160	340	280	124	376	3332

तालिका-30.2

सामाय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थाों/िजी महिला औधोगिक प्रशिक्षण संस्थाों में महिला हेतु महिला औधोगिक प्रशिक्षण संस्थाों तथा विंगों की राज्यवार वितरण

(अक्तूबर 2005 की स्थिति के आुसार)

": उच्च प्रशिक्षण संस्थाों में उच्च कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण		
क्रम सं.	व्यावसायों के ाम	उच्च प्रशिक्षण संस्थाा

		‘‘ोन्नई	हावड़ा	हैदराबाद	काापुर	लुधियााा	मुम्बई
1.	उन्नत औजार एवं डाई मेकिंग	*	*	-	*	*	*
2.	उन्नत वैल्डिंग	*	*	*	*	*	*
3.	उन्नत प्रशीता एवं वातााुकूल	-	*	*	-	*	-
4.	‡लैक्ट्रिक आुरक्षण	*	*	*	*	*	*
5.	‡लैक्ट्रॉाक्स आुरक्षण	*	*	*	*	*	*
6.	हीट इंजा	*	*	*	*	*	*
7.	हाइड्रॉलिक्स एवं यूमेटिक	*	*	*	*	*	*
8.	‡जीायिरिंग प्रौद्योगिकी का प्रवेश	-	-	*	-	-	-
9.	†ौद्योगिक रसाया	*	-	-	-	-	*
10.	मशीाा टूल आुरक्षण	*	*	*	*	*	*
11.	सामग्री परीक्षण/ािरीक्षण	*	*	-	-	*	-
12.	मेट्रॉलजी एवं ािरीक्षण	*	*	*	*	*	*
13.	माइक्रो कम्प्यूटर/ इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स	*	*	*	*	-	*
14.	प्रोसेस कंट्रोल्स इंस्ट्रूमेंटेशा	*	-	-	-	-	*
15.	उत्पादा प्रौद्योगिकी	*	-	-	-	-	-
16.	™ूल डिजाइा	*	*	-	*	-	*

* पाठ्यक्रम की उपलब्धता को दर्शाता है।

पाठ्यक्रम की अवधि 1 से 6 सप्ताह है।

†धिकांश पाठ्यक्रमों में अंतर्ग्रहण क्षमता प्रति बैच 10 से प्रशिक्षुओं की है।

“ाार्ट-II एवं चार्ट-III